

## 1920 असहयोग आंदोलन

आन्दोलन का प्रमुख प्रस्ताव - उपाधियों का त्याग, कर न चुकाना अंग्रेजी शिक्षा का बहिष्कार, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार, सरकारी न्यायालय का बहिष्कार आदि। रचनात्मक कार्यक्रम - पंचायतों के माध्यम से विवाद का निपटारा, राष्ट्रीय विद्यालयों की स्थापना, स्वदेशी कपड़ों का उपयोग आदि।

1. शासकीय सेवा का बहिष्कार - यदुनंदन प्रसाद श्रीवास्तव, लक्ष्मीनारायण वर्मा, सोमेश्वर शुक्ल
  2. वकालत का त्याग - डा. प्यारेलाल, बैचंदीलाल, ई.राधवल्लभ राव, डी.के. मेहता, रामनारायण तिवारी, धनश्याम मिश्र, गुप्त, रत्नाकर झा
  3. राय साहब की उपाधियों का त्याग - वामनराव लाखे कल्याण जी, मोरारजी शेकर व गोपीकिशन आदि
  4. रायपुर जिला परिषद का त्याग - श्याम राव देशमुख
  5. प्रांतीय विधानसभा का त्याग - बाजीराव कदम
- नोट:- जब वामनराव लाखे ने रायसाहब की उपाधि त्यागी तो जनता ने लोकप्रिय की उपाधि प्रदान की।

### रचनात्मक कार्यक्रम :-

वर्ष 1921 के दौरान इस आंदोलन के वातावरण में अनेक रचनात्मक कार्य सम्पन्न हुए जो इस प्रकार हैं-

1. राष्ट्रीय विद्यालयों की स्थापना - रायपुर में - माधवराव सैन्ट्रल, गोपीकिशन, बालकिशन, रामकिशन धमतरी में - बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव

असहयोग आंदोलन के दौरान छ.ग. में रायपुर, धमतरी एवं बिलासपुर में राष्ट्रीय विद्यालय स्थापित किया गया।

[CG PSC (AP) 2016]

2. पंचायतों का गठन - राष्ट्रीय पंचायत (रायपुर) - जसकरण डागा  
राष्ट्रीय पंचायत (धमतरी) - बाजीराव कदम
3. आश्रम की स्थापना - सत्याग्रह आश्रम (रायपुर) - सुन्दरलाल शर्मा  
खादी आश्रम (रायपुर) - डा. प्यारेलाल व वामनराव लाखे

## असहयोग आंदोलन से संबंधित अन्य घटनाएं

- माखन लाल चतुर्वेदी - 12 मार्च 1921 को बिलासपुर के शनिचरी बाजार में अंग्रेजों के खिलाफ ओजसवी भाषण देने के कारण उन्हें 12 मई 1921 को जबलपुर से गिरफ्तार कर बिलासपुर जेल में बंद कर दिया गया। जहां उन्होंने 18 फरवरी 1922 को पुष्प की अभिलाषा नामक पुस्तक की रचना की।
- राष्ट्र कवि माखनलाल चतुर्वेदी जी ने पुष्प की अभिलाषा कविता छ.ग. के बिलासपुर जेल में लिखा था।
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सी.आर. राजगोपालाचारी एवं सुमद्रा कुमारी जीहान - 1921 में असहयोग आंदोलन के समर्थन में प्रचार हेतु छ.ग. में आये।

[CG PSC (Asst. Prof.) 2016]

[CG Vyapam (FI) 2013]

## सिंहावा नगरी जंगल सत्याग्रह 21 जनवरी 1922

[CG PSC (Pre) 2015-16]

### छ.ग. का प्रथम जंगल सत्याग्रह

- नेतृत्वकर्ता - श्यामलाल सोम, पंचम सिंह, विशम्भर पटेल, शोभाराम साहू
- कारण - आदिवासियों का वन प्रवेश व वन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना

नोट :- इस आंदोलन में नेतृत्वकर्ता के गिरफ्तार हो जाने के पश्चात् आंदोलन का नेतृत्व प. सुंदरलाल शर्मा ने किया।

### पं. सुंदरलाल शर्मा 12 फरवरी 1922 :-

- असहयोग आंदोलन के दौरान 1922 में पं. सुंदरलाल शर्मा को जेल में बंद कर दिया गया, जहाँ से उन्होंने श्रीकृष्ण जन्म स्थली/जेल पत्रिका निकाली।
- हस्तलिखित कृष्ण जन्म पत्रिका भी कहा जाता है।

[CG Vyapam (Panjiyak lipic) - 2013]

### स्वराज पार्टी का गठन जनवरी 1923

- उद्देश्य - प्रांतीय चुनाव लड़कर विधानमंडलों में प्रवेश करना एवं भारतीयों के विरुद्ध पारित होने वाले कानूनों का विरोध
- रायपुर - पं. रविशंकर शुक्ल, शिवदास डागा
- बिलासपुर - ई. राघवेन्द्र राव, बैरिस्टर छेदीलाल
- दुर्ग - धनश्याम सिंह गुप्त
- राजनांदगाँव - डा. प्यारेलाल सिंह

[CG PSC (Asst. Prof.) 2016]

[CG PSC (Engg. Set-1) - 2015]

नोट:- 1923 के प्रांतीय चुनाव में इस दल को विधानपरिषद् में पूर्ण बहुमत मिला था।

### झंडा सत्याग्रह 1923

- आंदोलन का आरंभ - जबलपुर (मध्यप्रान्त)
- इसका नेतृत्व बिलासपुर में क्रांति कुमार भारती घमसरी में - पं. सुंदरलाल शर्मा ने किया।
- इसमें सत्याग्रही अपने हाथ में झंडा लेकर प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करता था और नंदी बना लिया जाता था।

### कांग्रेस का काकीनाड़ा अधिवेशन 1923

- छ.ग. से नेतृत्वकर्ता - नारायणराव मेघावाल
- विशेष - बस्तर रास्ते से पैदल काकीनाड़ा अधिवेशन में भाग लेने आंध्रप्रदेश जाना।

[CG PSC (Pre) 2015]

### पं. सुंदरलाल शर्मा का अछुतोद्धार कार्यक्रम 1925

- 23 नवम्बर 1925 को पं. सुंदरलाल शर्मा ने राजीवलोचन मंदिर में प्रवेश कराने के समय बदक़्कारी पुलिस व कंस्टेबल सनातनी हिन्दूओं की उपस्थिति को देखते हुए इन्होंने राजीवलोचन के स्थान पर राम मंदिर में प्रवेश कराया। इस कार्य हेतु गांधी जी ने इस काम में सुंदरलाल शर्मा को गुरु की उपाधि दिया था।

### सविनय अवज्ञा आंदोलन (प्रथम चरण)

छ.ग. में जिलेदार कई व्यक्तियों ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया जो इस प्रकार है।

- 1. रायपुर - 15 अप्रैल 1930 में महाकौशल राजनीतिक परिषद् के सम्मेलन में पं. रविशंकर शुक्ल ने हाइड्रोक्लारिक अम्ल व सोडा मिलाव नमक बनाया। इस कार्य में सेठ गोविंद दास, द्वारिका प्रसाद मिश्र लक्ष्मीनारायण दास व गयाधरन त्रिवेदी ने सहयोग किया था।

[CG PSC (ARTO) 2017]

- छ.ग. के पांच पाण्डव - रायपुर में इस आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से संचालित करने में पाँच व्यक्तियों का योगदान था। जिन्हें पाण्डव की संज्ञा दी गयी।



1. बुचिठिर - वामनराव लाखे
2. भीम - लक्ष्मी मंहत नारायण दास
3. अर्जुन - छावुर प्यारेलाल
4. नकुल - मोहना अब्दुल रुक़
5. सहदेव - शिवदास झांग

2. बिलासपुर - सर्वप्रथम दिवाकर कार्लिकर के नेतृत्व में यहां आंदोलन प्रारंभ हुआ। आगे चलकर वासुदेव देवरस और राकू के ने इस आंदोलन को गति प्रदान की गयी।

3. मुंगेली - रामदास तिवारी, कालीचरण शुक्ल

4. धमतरी - नारायणराव मेघादाले

5. दुर्ग - नरसिंह प्रसाद अग्रवाल, रामचंद्र देशमुख, Y.V. ताम्बकर, रत्नाकर झा

### वानरसेना का गठन:

बिलासपुर में 1930 में वासुदेव देवरस के द्वारा गठन किया गया।

रायपुर में 1932 में में बलीराम आजाद (संस्थापक) व यतिशतन लाल (संचालक) के द्वारा किया गया।

## छ.ग. में जंगल सत्याग्रह 1930

सन् 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान छ.ग. में विशेष रूप से जंगल सत्याग्रह बड़े पैमाने पर अलग-अलग क्षेत्रों में शुरू हुए। यह जंगल सत्याग्रह सविनय अवज्ञा आंदोलन का हिस्सा था।

सत्याग्रह	सन्	स्थान	नेतृत्वकर्ता	
पोड़ी-सीपत	1 जुलाई 1930	बिलासपुर	रामाधर दुबे	[CG PSC (Pre) 2015-16] [CG PSC (Ass. Prof.) 2016]
मोहबना- पोड़ी	24 जुलाई 1930	धमतरी	नरसिंह प्रसाद अग्रवाल	
गट्टा सिल्ली	जुलाई 1930	धमतरी	नारायणराव, छोटेलाल, नत्थूजी जगताप	
रुंदी नवागांव	22 अगस्त 1930	धमतरी	छोटेलाल श्रीवास्तव	
लमरा	8 सितम्बर 1930	महासमुंद	अरिमर्दन गिरि	
लमोरा	9 सितम्बर 1930	महासमुंद	यतिशतन लाल शंकरराव मनोदवाले	

विशेष:- छ.ग. का प्रथम जंगल सत्याग्रह 21 जनवरी 1922 में सिहावा क्षेत्र में (धमतरी) असहयोग आंदोलन हुआ था।

[CG PSC (AD. Agri. VS. Fish)-2018]

♦ 1930 में उदयपुर में (रायगढ़ जिले) बेमार विरोधी आंदोलन चलाया गया था।

♦ 22 अगस्त 1930 को रुंदी नवागांव जंगल सत्याग्रह में पुलिस ने बर्बरता दिखाई थी तथा सिंधु कुमार तथा रसु की मृत्यु हो गई।

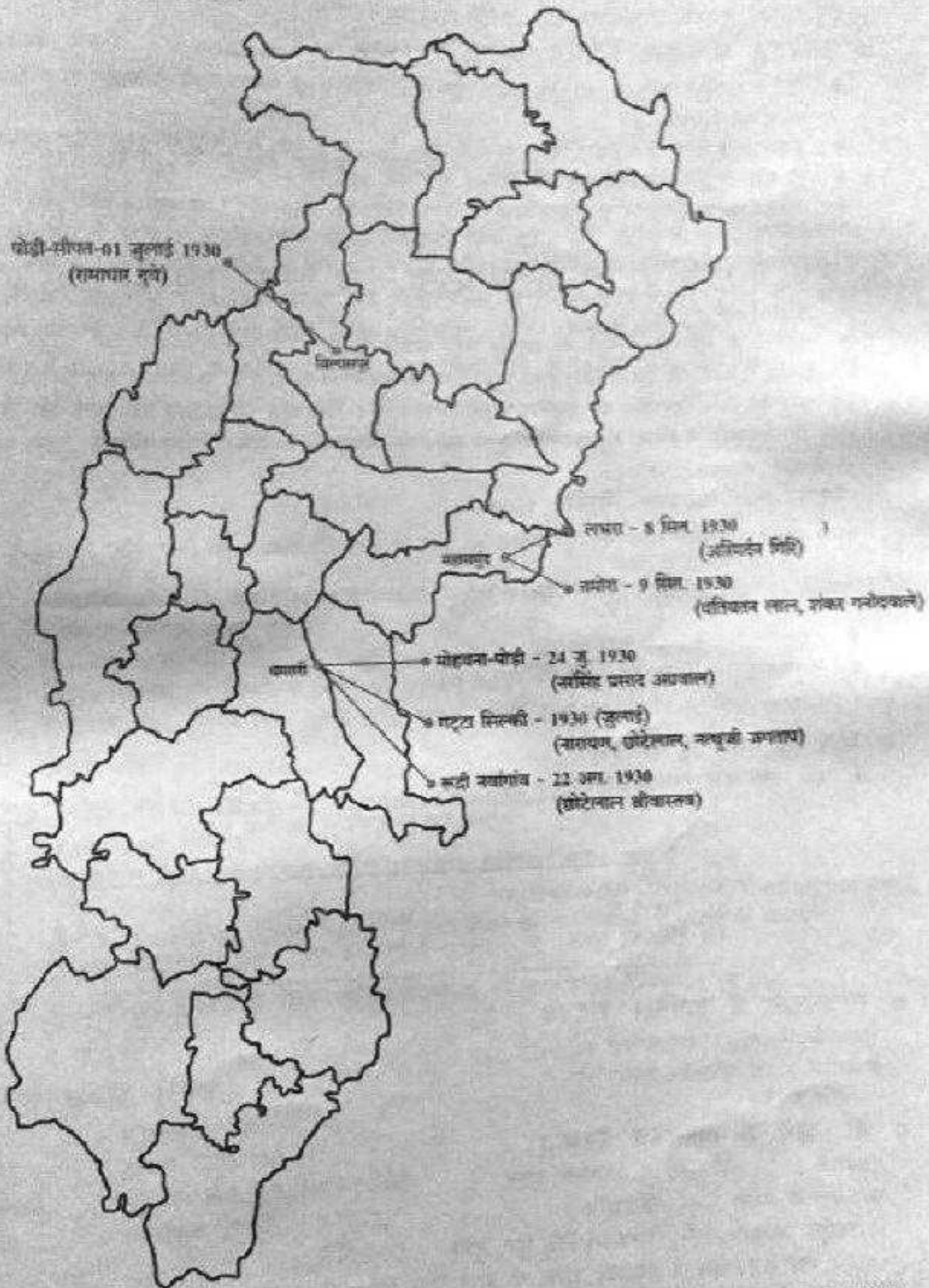
[CG PSC (CMO, Paper-2)-2018]

♦ 8 सितम्बर 1930 लमरा जंगल सत्याग्रह पूर्णतः गौड़ जनजाति द्वारा किया गया विद्रोह था।

♦ 21 जनवरी 1930 को बदराटोला जंगल सत्याग्रह में रामधीन गौड़ शहीद हुये थे।

[CG PSC (ADPPO)-2018]

# जंगल सत्याग्रह 1930





## ○ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 1931

इस सम्मेलन में छ.ग. के सम्मानुज प्रताप सिंहदेव ने नेतृत्व किया था।

## ○ सविनय आंदोलन द्वितीय चरण - 1932

- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 1931 से कोई निष्कर्ष नहीं निकलने पर महात्मा गांधी ने राष्ट्रीय स्तर पर पुनः सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ कर दिया। [ICG PSC 2014]
- इसका प्रभाव छ.ग. में रहा इस दौरान प्रदेश में अनेक डिटेक्टर नियुक्त किये गये जो कार्य बाइक कार्यकर्ता थे। [ICG PSC (ABEO)-2014]
- छ.ग. प्रांत को लिए परविशकर शुक्ल डिटेक्टर चुना गया था। [ICG PSC (Mains)-2014]
- सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान 1932 में रायपुर जिले का नेतृत्व श्रीमति राधाबाई ने किया था। [ICG PSC (Asst. Prof.) 2014]

## ○ छ.ग. में गांधी जी का द्वितीय प्रवास : 22 नवम्बर 1933

- उद्देश्य हरिजन उत्थान
  - गुपीजी के सहयोगी - मोरा बेन ठक्कर बापा महादेव देसाई
- नोट - वास्तव में गांधी जी इस हरिजन उत्थान कार्यक्रम को इनसे पूर्व छ.ग. में प. सुन्दरलाल शर्मा के द्वारा राजिम में हरिजनों का प्रयोग करवा कर प्रारंभ कर चुके थे। इसलिए गांधी जी ने प. सुन्दरलाल शर्मा को हरिजन उत्थान के लिए अपना अग्रणी कहा था। छ.ग. के रामदयाल तिवारी ने महात्मा गांधी जीके इस यात्रा से प्रभावित होकर के गांधी नीमांसा नामक पुस्तक लिखी।

## ○ बरार का मध्यप्रांत विलय 1935

भारत शासन अधिनियम 1935 के द्वारा प्रशासनिक दृष्टि से बरार को मध्यप्रांत को मिला दिया गया।

## ○ किसान आंदोलन 1937

- स्थान - दुर्ग (डोंटीखोहारा)
- नेतृत्वकर्ता - नरसिंह प्रसाद अग्रवाल

## ○ छ.ग. में प्रथम चुनाव 1937

- इस समय छ.ग. मध्य प्रांत का हिस्सा था।



## ○ मंत्रिमंडल में शामिल सदस्य

- मुख्यमंत्री - डॉ. नारायण मास्कर खरे
- शिक्षामंत्री - प. रविशंकर शुक्ल

## ○ डॉ. खरे के त्यागपत्र पश्चात्

- मुख्यमंत्री - प. रविशंकर शुक्ल
- मध्य प्रांत के गवर्नर - ई.राघवेंद्र राव
- विधानसभा अध्यक्ष - धनश्याम सिंह गुप्ता (दुर्ग)

1937 में खरे मंत्रिमंडल में रविशंकर शुक्ल को पहले शिक्षा विभाग दिया गया था। [ICG PSC (Geologist)-2013]

0 द्वितीय कांग्रेस मंत्रीमण्डल का गठन - 29 जुलाई 1938

- 8 नवम्बर 1939 को इसी मंत्रीमण्डल में त्याग पत्र दे दिया।

0 व्यक्तिगत सत्याग्रह 1940

छ.ग. के प्रथम सत्याग्रही पं. रविशंकर शुक्ल माने जाते हैं।

## छ.ग. में भारत छोड़ो आंदोलन 1942

छ.ग. से वहाँ अधिवेशन में छ.ग. से पं. रविशंकर शुक्ल, धनश्याम सिंह गुप्त, बैरि. छेदीलाल, महंत लक्ष्मीनारायण, हतिवतनलाल ने भाग लिया था। लेकिन इस नेताओं को ब्रिटिश शासन ने अधिवेशन से वापिस के दौरान मलकानपुर नामक (मध्यप्रान्त की सीमा) स्थान पर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके पश्चात् छ.ग. से निम्नांकित व्यक्तियों ने भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व किया।

रायपुर से - कमल नारायण शर्मा, रणवीर सिंह शास्त्री, जयनारायण पांडेय, ब्रतानाथ, मयवरी चरण शुक्ल,

- रायपुर में 9 अगस्त 1942 को कांग्रेस जनो द्वारा जुलूस निकाला जिसमें "अंग्रेजों भारत छोड़ो" के नारे लगे।

बिलासपुर से - व. छेदीलाल, कालीचरण, यदुनंदन प्रसाद, राजकिशोर वर्मा

दुर्ग से - नरसिंह प्रसाद, गणेशप्रसाद, रत्नाकर झा, रघुनंदन सिंगरील (इनका संबंध दुर्ग कचहरी आगजनी से था)।

[CG Vyapam (RCPR)2016]

## रायपुर षडयंत्र केस 1942

- प्रमुख नेता - परसराम सोनी [CG Vyapam (RI)2017], [CG PSC (ADPPO)2013], [CG PSC (AD.Agr.LAD.Fish) 2013]
- उद्देश्य - विस्फोटक सामग्री ब्रूम बनाना।
- मुखबरी - शिवनंदन प्रसाद
- परिणाम - शिवनंदन प्रसाद की मुखबरी के कारण यह असफल रहा।
- अन्य नेता - गिरीलाल लोहर, रणवीर सिंह, शास्त्री, सुधिर मुखर्जी दशरथ लाल दुवे, प्रमचंद दासनिक, क्रांतिकुमार भारतीय बिहारी चौधे।

## रायपुर डायनामाइट केस 1942 (Raipur Dynamite Conspiracy)

- नेतृत्वकर्ता - बिलखनारायण अग्रवाल
- सहयोगी - ईश्वरीचरण शुक्ल, जयनारायण पांडेय, नागरदास बावरिया, सुधिर मुखर्जी [CG Vyapam (MFA)2017], [CG Vyapam (Maha.)2016]
- उद्देश्य - राष्ट्रीयवादी नेताओं को जेल से निकालने के लिए दीवार को डायनामाइट से डहाने की योजना
- मुखबरी - अविनाश संग्राम
- परिणाम - इन क्रांतिकारी विस्फोट तो किया। लेकिन राजबंदियों को मुक्त कराने में असफल रहे हैं।

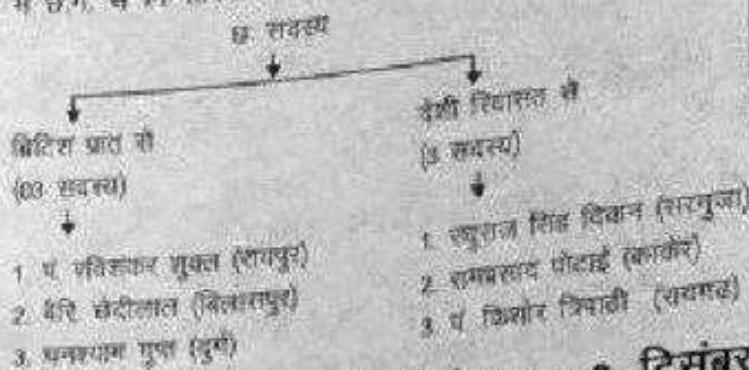
## मध्यप्रान्त में दूसरा चुनाव (1946)

- मुख्यमंत्री - पं. रविशंकर शुक्ल
- गृहमंत्री - हारिका प्रसाद मिश्र
- विधानसभा अध्यक्ष - धनश्याम सिंह गुप्त (विधान पुरुष)
- संसदीय सचिव - रामगोपाल तिवारी



## संविधान निर्मात्री सभा में छ.ग. से भागीदारी : 1946

- संविधान सभा में छ.ग. से निम्नांकित 8 सदस्य नियुक्त किये गये।



सदस्य	संबंधित व्यक्ति
(1) रामदास से राजनीतिक सम्मेलन-8 दिसम्बर 1946)	डॉ. लखन सिंह
(2) बिलासपुर व विद्यार्थी सभा (13-15 दिसम्बर 1946)	मुजुमदार सिंह
(3) राष्ट्रीय राजनीतिक सम्मेलन देवगढ़-11 दिसम्बर 1946)	लखन सिंह राजनीतिक

## ○ संविधान निर्मात्री सभा का प्रथम अधिवेशन : 9 दिसंबर 1946

धनश्याम सिंह गुप्त को हिन्दी प्राकृत समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

## ○ भारत स्वतंत्रता अधिनियम 1947

- 15 अगस्त 1947 को राज्य के राजनेताओं ने विभिन्न स्थानों पर झंडा फहराया
- वामनराव लाखे (स्वतंत्रता सेनानी) - मन्थी चौक (रायपुर)
- आर. के. पाटिल (खाद्य मंत्री) - पुलिस लाइन रायपुर
- प. रविशंकर शुक्ल (मुख्यमंत्री) - सीताबड़ी (नागपुर)
- धनश्याम सिंह गुप्त (विधानसभा सदस्य) - दुर्ग
- मणोपाल त्रिपाठी (संसदीय सचिव) - बिलासपुर

[CG PSC (PRE.) 2016]

[CG Vyapam (FCPR) 2014]

## छ.ग. में किसान आन्दोलन

स्थान	सन्	नेतृत्वकर्ता
◆ डोंडीलोहारा (बालोद)	1937	नरसिंह प्रसाद अग्रवाल
◆ छुईखदान (राजनादगांव)	1938	रामनारायण मिश्र (हर्षुल)
◆ काकोर (बस्तर)	1944	इंदू केवट
◆ सक्ती (जाजगीर-बांपा)	1947	ठाकुर प्यारेलाल

## राजनेताओं का छ.ग. आगमन

- सन् 1918 में बालगंगाधर तिलक होमरूल लीग के प्रचार हेतु छ.ग. आये।
- सन् 1920 - बी.पी. गिरी, राजनादगांव मजदूर मील हड़ताल को समझौता के लिए आया था।
- 20 दिसम्बर 1920 को काकोर नगर सत्याग्रह में भाग लेने हेतु महात्मा गांधी शौकत अली के साथ छ.ग. आये।
- सन् 1921 में असहयोग आंदोलन के दौरान डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी एवं सुमद्रा कुमारी चौहान आदि का छ.ग. आगमन हुआ।
- 22 नवम्बर 1933 को हरिजन उत्थान के उद्देश्य से महात्मा गांधी अपने सहयोगी मीराबेन, ठक्कर, बापा एव महादेव देसाई (निजीसचिव) के साथ छ.ग. आये।
- 11 दिसम्बर 1935 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का दूसरी बार छ.ग. आगमन हुआ।
- सन् 1935 में जवाहर लाल नेहरू शिक्षा सम्मेलन में भाग लेने हेतु रायपुर आये।
- सन् 1940 तथा 1947 में सरदार वल्लभ भाई पटेल का छ.ग. आगमन हुआ।
- अस्पृश्यता आंदोलन के जनक - सुंदरलाल शर्मा
- सामाजिक क्रांति के जनक - गुरु धासीदास
- सहकारिता आंदोलन के जनक - डा. प्यारेलाल
- मजदूर आंदोलन के जनक - डा. प्यारेलाल
- किसान आंदोलन के जनक - खूबचंद बघेल

छ.ग. विशिष्ट अध्ययन (हरिराम पटेल)

० छग. रियासतों का भारतीय संघ में विलय हेतु गठन

- |   |           |
|---|-----------|
| छ.ग. की सबसे पहली स्वीकृति देने वाली रियासत | — खैरागढ़ |
| छ.ग. से शामिल सबसे पहली रियासत              | — रायगढ़  |
| छ.ग. की सबसे बड़ी रियासत                    | — बस्तार  |
| छ.ग. की सबसे छोटी रियासत                    | —         |

### देशी रिवाजों का विलयकरण

- 1 जनवरी 1948 को भारत संघ में विलय  
नेतृत्वकर्ता - सरदार वल्लभ भाई पटेल  
सहयोगी - पं रविशंकर शुक्ल

→ सखली (1939 लगान बंदी आंदोलन हुआ था) [CG PSC (SEE) 2016]

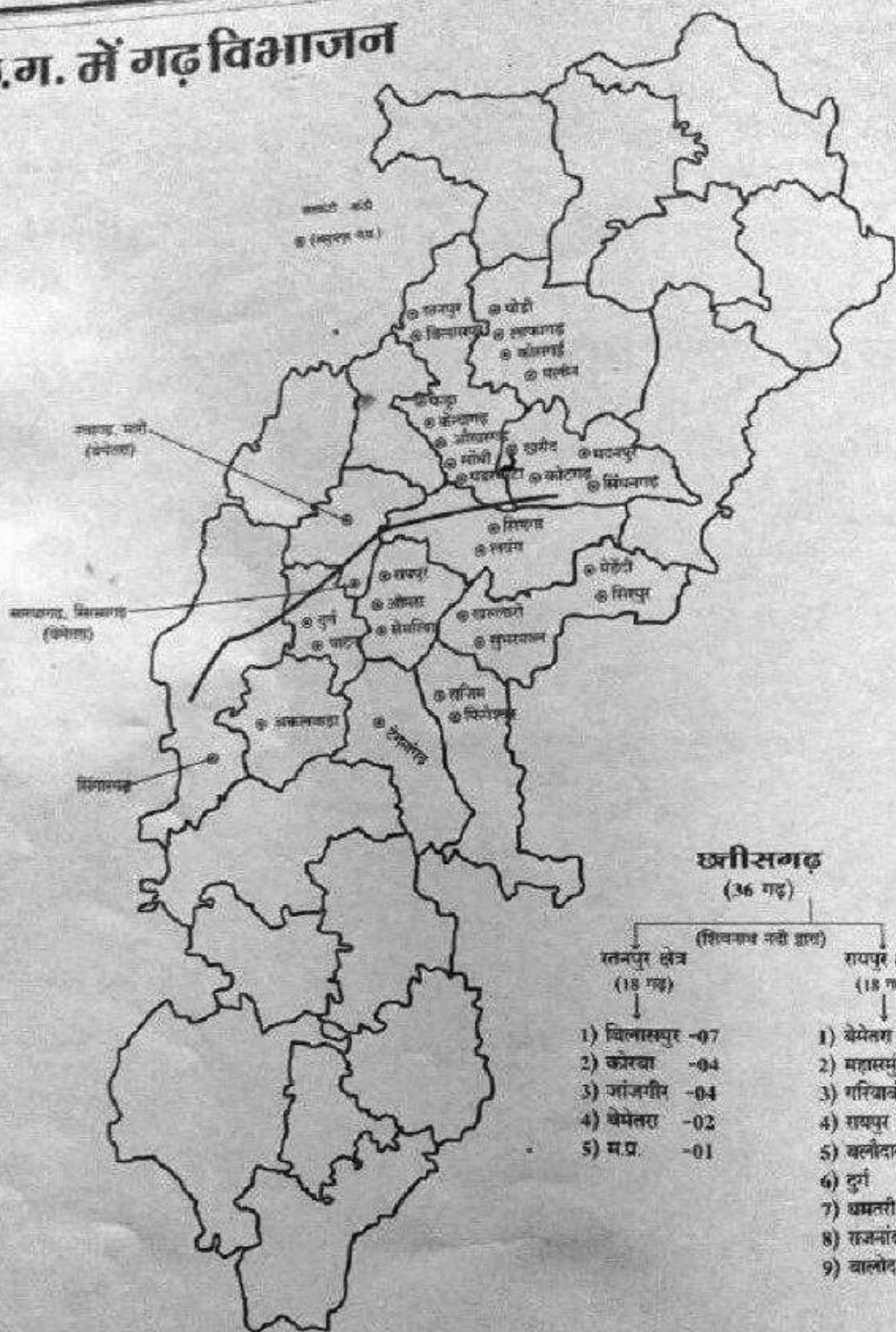
[CG Vyapam (AMIN) 2017], [CG PSC (SEE) 2016]

## छ.ग. की रियासत





# छ.ग. में गढ़ विभाजन



30

## व्यक्तिगत परिचय

### राजनीतिक क्षेत्र के व्यक्तित्व

0

#### ठाकुर प्यारेलाल सिंह

- ♦ जन्म - 21 दिसम्बर 1891
- ♦ छ.ग. के प्रसिद्ध गांधीवादी नेता इनका जन्म दैहान (राजनांदगांव) में हुआ था।
- ♦ छ.ग. के सहकारिता आन्दोलन एवं मजदूर आन्दोलन के जनक माने जाते हैं। [CG Vyapam (Asst. Mah. lek.)2015]
- ♦ 1909 - सरस्वती पुस्तकालय की स्थापना (राजनांदगांव)
- ♦ 1920 - बी.एन.सी. मिल हड़ताल का नेतृत्व किया। (कुल 36 दिन)
- ♦ 1930 - पट्टा मत लो तथा लगान मत दो आंदोलन चलाया।
- ♦ 1937 - छ.ग. एजुकेशन सोसायटी की स्थापना।
- ♦ 1938 - छ.ग. का प्रथम महाविद्यालय - छ.ग. महाविद्यालय।
- ♦ 1945 - छ.ग. में भूदान आंदोलन व सर्वोदय आंदोलन का कमान संभाली।
- ♦ छ.ग. शासन द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

0

#### मिनीमाता

- ♦ जन्म - असम
- ♦ मूल नाम - मिनाक्षी (उपनाम - मिनीमाता)
- ♦ पति - अगमदास
- ♦ छ.ग. की प्रथम महिला सांसद, जो सन् 1952 में रायपुर निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुईं।
- ♦ हसदेव बांगों के जलाशय का नाम मिनीमाता के नाम पर रखा गया।
- ♦ छ.ग. विधानसभा का नाम इन्ही के नाम पर रखा गया है।
- ♦ वर्ष 1972 में हवाई दुर्घटना में इनकी मृत्यु हो गई।
- ♦ महिला उत्थान के क्षेत्र में छ.ग. सरकार द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

0

#### पं. रविशंकर शुक्ल

- ♦ मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे। [CG PSC (ADHIS)2014]
- ♦ जन्म - सागर (मध्य प्रदेश)
- ♦ 1912 में कान्यकुब्ज सभा की स्थापना की।
- ♦ 1921 - राष्ट्रीय विद्यालय की स्थापना
- ♦ 1923 - रायपुर जिला परिषद के अध्यक्ष बनाए गए।
- ♦ 6 अप्रैल 1930 को रायपुर में सोडा व एच.सी.एल. की सहायता से नमक बनाकर कानून तोड़ा।
- ♦ 1932 में द्वितीय सविनय अवज्ञा आंदोलन के डिटेक्टर।
- ♦ 1936 में रायपुर से महाकौशल नामक साप्ताहिक पत्र का प्रकाशन किया।
- ♦ 1940 - छ.ग. से प्रथम व्यक्तिगत सत्याग्रही बनने का श्रेय प्राप्त है।
- ♦ 1 नवम्बर 1956 को नव गठित म. प्र. के प्रथम मुख्यमंत्री बने।
- ♦ छ.ग. शासन द्वारा साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सद्भावना हेतु पं. रविशंकर शुक्ल पुरस्कार प्रदान किया जाता है।



### ० डॉ. खूबचंद बघेल

- ♦ जन्म - पथरी ग्राम (रायपुर)
- ♦ जन्म - 19 जुलाई 1900, मृत्यु - 22 फरवरी 1969 ई. में
- ♦ छ.ग. से राज्यसभा में निर्वाचित प्रथम सांसद।
- ♦ 1956 - राजनांदगांव में छ.ग. महासभा का गठन।
- ♦ 1967 - राजनांदगांव में छ.ग. भातृ संघ का गठन।
- ♦ रचनाएं - करम छड़हा, छ.ग. स्वाभिमान, ऊँच-नीच, लड़ेगा सुजान।
- ♦ प्रदेश सरकार के द्वारा इनकी स्मृति में कृषि के क्षेत्र में पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

### ० पंडित सुंदरलाल शर्मा

- ♦ छ.ग. में जन जागरण तथा सामाजिक क्रांति के अग्रदुत।
- ♦ पृथक छ.ग. के प्रथम स्वप्नदृष्टा
- ♦ छ.ग. के गांधी कहे जाते हैं।
- ♦ जन्म - 21 दिसम्बर 1881 घमसूर (राजिम, गरियाबंद) एवं मृत्यु - 28 दिसम्बर 1940
- ♦ पिता - श्री जियालाल तिवारी एवं माता - देवती
- ♦ 1905 - समित्र मण्डल की स्थापना
- ♦ 1906 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल
- ♦ 1912 - छ.ग. के प्रथम काव्य दानलीला की रचना
- ♦ 1918 - छ.ग. में प्रथम बार पाण्डुलिपि नक्शा बनाया
- ♦ 1920 - कंडेल नहर सत्याग्रह का नेतृत्व किया।
- ♦ 1925 राजिम में राजीव लोचन मंदिर में अछूतों को प्रवेश कराया
- ♦ 20 दिसम्बर 1920 में इनके आग्रह पर महात्म गांधी का छ.ग. में प्रथम आगमन हुआ।
- ♦ 1922 पं. सुन्दरलाल शर्मा ने जेल से श्री कृष्ण जन्म स्थली नामक पत्रिका निकाली।
- ♦ छ.ग. शासन द्वारा साहित्य लेखन हेतु पं. सुन्दरलाल शर्मा साहित्य लेखन पुरस्कार दिया जाता है।
- ♦ सन् 1922 में छ.ग. के प्रथम सिहावा जंगल सत्याग्रह में इनकी प्रमुख भूमिका रही।

[CG Vyapam (SI, Pre)2006]

### ० ई. राघवेन्द्र राव

- ♦ जन्म - कामठी (नागपुर) जो आगे चलकर बिलासपुर में बस गये।
- ♦ 1937 - मध्य प्रांत के गवर्नर बने।
- ♦ 1941 - वायसराय की कार्यकारिणी में शामिल होने वाले छ.ग. के एकमात्र सदस्य।

### ० बैरिस्टर छेदीलाल

- ♦ जन्म - अकलतरा (जांजगीर - चांपा)
- ♦ इसका व्यवसाय - वकालत (बैरिस्टर)
- ♦ 1946 में संविधान निर्मात्री सभा के बिलासपुर से सदस्य चुने गए।
- ♦ इन्होंने माखनलाल चतुर्वेदी की पत्रिका कर्मवीर का संपादन किया था।
- ♦ प्रमुख रचनाएं - हॉलैण्ड के स्वाधीनता का इतिहास।
- ♦ कर्मवीर पत्रिका का संपादक किया।

### ० श्यामा प्रसाद शुक्ल

- ♦ इन्हें मध्यप्रदेश में सर्वाधिक तीन बार मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त है।

### ० वीर नारायण सिंह

- ♦ जन्म - सोनाखान (बलौदा बाजार) में 1795 में हुआ।
- ♦ 10 दिसम्बर 1857 को वीर नारायण सिंह को जय स्तंभ चौक रायपुर में फांसी दे दी गई।
- ♦ यह बिड़वार जनजाति के थे (पिता श्री रामसाय बिड़वार)
- ♦ छ.ग. स्वतंत्रता आंदोलन के प्रथम शहीद माने जाते हैं।
- ♦ छ.ग. सरकार द्वारा आदिवासी उत्थान के क्षेत्र में पुरस्कार दिया जाता है।
- ♦ सोनाखान विद्रोह के नेता थे।
- ♦ महासमुद्र कोडार बांध का नाम - वीर नारायण सिंह बांध
- ♦ परसदा - वीरनारायण सिंह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (रायपुर)

[CG PSC (RDA)2014]

### ० वामनराव लाखे वामन

- ♦ वामन राव लाखे लोकप्रिय के नाम से प्रसिद्ध थे।
- ♦ जन्म - रायपुर
- ♦ असहयोग आंदोलन के दौरान 1920 में राय साहब की उपाधि त्यागी तब जनता ने इन्हें लोकप्रिय की उपाधि दी।
- ♦ 1913 रायपुर में को-ऑपरेटिव बैंक एवं बलौदा बाजार में किसान को-ऑपरेटिव बैंक राइस मिल की स्थापना जो कि किसान के शोषण के मुक्ति के लिए कदम था।
- ♦ वर्ष 1916 रायपुर में होमरूल लीग के संस्थापक सदस्यों में से एक थे।

[CG Vyapam (Asst. Man.) 2015]

### ० यति यतनलाल जैन

- ♦ जन्म - बीकानेर (राजस्थान)
- ♦ इन्हें छ.ग. में अहिंसा का अग्रदूत कहा जाता है।
- ♦ महासमुद्र में विवेक वर्धन आश्रम की स्थापना की गई।
- ♦ राज्य शासन द्वारा प्रत्येक वर्ष इनकी स्मृति में अहिंसा के क्षेत्र में पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

[CG PSC (Pre)2014]

### ० मैग्जीन लश्कर हनुमान सिंह

- ♦ इन्हें छ.ग. में मंगलपाण्डे के नाम से जाना जाता है।
- ♦ ये ब्रिटिश सेना के रायपुर स्थित तीसरी बटालियन में मैग्जीन लश्कर के पद पर नियुक्त थे।
- ♦ इस विद्रोह के दौरान हनुमान सिंह ने अंग्रेज अधिकारी सार्जेंट सिडवेल की हत्या कर दी गई।
- ♦ प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद माने जाते हैं।

### ० घनश्याम सिंह गुप्त

- ♦ छ.ग. के दुर्ग जिले से स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया।
- ♦ सन् 1937 के मध्य प्रांत विधानसभा अध्यक्ष पद पर नियुक्त हुए।
- ♦ इन्हें छ.ग. का विधान पुरुष कहा जाता है।

### ० गेंदसिंह

- ♦ परलकोट के जमींदार।
- ♦ 1825 में परलकोट का विद्रोह।

### ० विद्याचरण शुक्ल

- ♦ छ.ग. से सर्वाधिक समय तक लोकसभा सदस्य बनने का रिकार्ड (9 बार)
- ♦ 25 मई 2013 को झीरम घाटी नक्सली हमले के दौरान वेदांता (गुडगोंव) में इनकी मृत्यु हो गई।

### ० ठाकुर रामप्रसाद पोटाई

- ♦ जन्म - कांकेर
- ♦ वर्ष 1946 को संविधान सभा में कांकेर से चयनित हुए।



## समाज सुधार क्षेत्र के व्यक्तित्व

### ○ गुण्डाधुर

- ◆ बस्तर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे।
- ◆ गुण्डाधुर बस्तर के नेतानार ग्राम का रहने वाला धुरवा जनजाति का उत्साही नवयुवक था।
- ◆ 2 फरवरी 1910 को बस्तर में भुमकाल, विद्रोह।
- ◆ बस्तर का पुशपाल बाजार सबसे पहले लुटा गया।
- ◆ विद्रोह का प्रतीक - लाल मिर्च एवं आम की टहनी।
- ◆ पन्तु सोनु मांझी नामक व्यक्ति के विश्वसघात के कारण अंदोलन असफल हो गया।
- ◆ इसके अभियान की तुलना तात्या टोपे के अभियान से की जाती है।
- ◆ गुण्डाधुर अंत तक अंग्रेजों की पकड़ में नहीं आये।
- ◆ इनके नाम से "खेल रत्न पुरस्कार" वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है।

[CG Vyapam (PDEO) 2015]

### ○ गहिरा गुरु

- ◆ जन्म - गहिरा ग्राम (रायगढ़)
- ◆ मूल नाम - रामेश्वर (जनजाति - कंवर)
- ◆ इन्होंने आदिवासियों के उत्थान हेतु उत्त्लेखनीय कार्य किये।
- ◆ इनकी स्मृति में छ.ग. शासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

[CG PSC (CMO) 2010]

### ○ गुरु घासीदास

- ◆ जन्म - 18 दिसम्बर 1756, गिरौदपुरी (बलौदाबाजार) में।
- ◆ पिता - महंगूदास
- ◆ माता - अमरौतिन बाई
- ◆ ज्ञान प्राप्ति - गिरौदपुरी के निकट छातापहाड़ी में औरा-धौरा वृक्ष के नीचे सोनाखान (बलौदाबाजार) में
- ◆ इनके जीवन दर्शन में सत्य, अहिंसा, करुणा तथा जीवन का ध्येय प्रकट होता है।
- ◆ उपदेश - भण्डारपुरी आकर इन्होंने सतनाम का उपदेश दिया।
- ◆ छ.ग. शासन ने उनकी स्मृति में सामाजिक चेतना एवं सामाजिक न्याय के क्षेत्र में "गुरु घासीदास सम्मान" 2001 से स्थापित किया है।
- ◆ इनके नाम से गुरुघासीदास केन्द्रीय वि.वि. - कोनी, (बिलासपुर)।

### ○ वल्लभाचार्य

- ◆ 15 वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन के एक महान संत।
- ◆ जन्म - 1479 ई, चम्पारण्य (रायपुर जिला)
- ◆ यह वैष्णव धर्म के कृष्णमार्गी शाखा से संबंधित थे।
- ◆ इन्होंने शुद्धद्वैतवाद दर्शन (जिसे पुष्टि मार्ग भी कहा जाता है) का प्रतिपादन किया।

[CG Vyapam (AMN) 2015]

### ○ स्वामी आत्मानंद

- ◆ जन्म - बरबंदा (रायपुर)
- ◆ नारायणपुर में रामकृष्ण आश्रम के संस्थापक।

[CG PSC (Pre) 2015]

## लोककला सांस्कृतिक क्षेत्र के व्यक्तित्व

### 0 हबीब तनवीर

- ♦ जन्म - रायपुर
- ♦ हबीब तनवीर का संबंध लोकनृत्य विधा से है।
- ♦ सन् 1954 में इन्होंने हिन्दुस्तान थियेटर (दिल्ली) की स्थापना की।
- ♦ सन् 1959 में स्थानीय लोक कलाकारों की सहायता से नया थियेटर की स्थापना की।
- ♦ प्राप्त सम्मान - संगीत नाटक अकादमी (1969), पद्मश्री (1983), पद्मभूषण (2002)
- ♦ प्रमुख नाटक - चरणदासचोर, आगरा बाजार, मृच्छकटिकम्, माटी की गाड़ी

[CG Vyapam (RI)2016]

### 0 दाऊ महासिंह चन्द्राकर

- ♦ छ.ग. में लोक कला के पुजारी।
- ♦ इन्होंने नरेन्द्र देव वर्मा की रचना सुबह की तलाश पर सोनहा बिहान नामक नाटक का मंचन किया यह लोरिक चन्दा गायन शैली पर आधारित है।

### 0 राजा चक्रधर सिंह

- ♦ जन्म रायगढ़ रियासत में सन् 1905 में हुआ था।
  - ♦ यह ललित कला की विभिन्न विधाओं में पारंगत थे।
  - ♦ राजा चक्रधर सिंह का सम्बन्ध कथक नृत्य से है। तथा इन्होंने कथक नृत्य के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया।
  - ♦ इनका नर्तन सर्वस्व नामक ग्रंथ कथक पर आधारित है।
  - ♦ नर्तक कार्तिकराम इनके परम शिष्य थे।
  - ♦ यह भारत के प्रसिद्ध तबला वादक थे। सन् 1939 में राजा चक्रधर के तबला वादन से प्रभावित होकर तत्कालीन वायसराय ने इन्हे संगीत सम्राट की उपाधि प्रदान की।
  - ♦ राज्य में इनके नाम पर प्रत्येक वर्ष रायगढ़ जिले में इनकी स्मृति पर चक्रधर समारोह का आयोजन होता है। (गणेश चतुर्थी के अवसर में)
- प्रमुख रचानाएँ - तालतोयनिधी (इस पुस्तक का वजन 32 किलो है) निगाहे फरहद नर्तन सर्वस्व (कथक), रागरत्न मंजूषा, जोश-ए-फरहद (उर्दू रचना)

[CG PSC (Pre)2016],[CG PSC (Horti.clt.)2015]

### 0 दुलार सिंह मन्दराजी

- ♦ छ.ग. नाचा के भीष्म पितामह माने जाते हैं।
- ♦ जन्म - रवेली ग्राम (राजनांदगाँव)
- ♦ नाचा के प्रोत्साहन हेतु इन्होंने "रवेली नाचा पार्टी" की स्थापना की गई।
- ♦ राज्य शासन द्वारा लोककला के क्षेत्र में दाऊ दुलार सिंह मंदरा जी सम्मान प्रदान किया जाता है।

### 0 दाऊ रामचंद्र देशमुख

- ♦ छ.ग. लोककला के उद्धारक।
- ♦ जन्म - बघेला ग्राम (दुर्ग)
- ♦ 1951 में देहाती कला मंच का गठन।
- ♦ 1971 में चंदेनी गोंदा नाचा पार्टी का गठन।



○ स्व. देवदास बंजारे

- ◆ जन्म - धमतरी के निकट साकरा, ग्राम पंथी नर्तक को अंतराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाने में अहम योगदान है।

○ सुरुजबाई खाण्डे - (S.E.C.L. में कार्यरत)

- ◆ भरथरी, चंदैनी गोंदा, ढोलामारु की गायिका।

○ सुलक्षणा पण्डित (रायगढ़)

- ◆ यह रायगढ़ घराने से संबंधित है। [CG Vyapam (SI.Mains) 2006],[CG PSC (Civil judge) 2003]
- ◆ यह हिन्दी फिल्मों में नायिका का अभिनय कर चुकी है।

○ तीजन बाई

- ◆ पंडवानी को अंतराष्ट्रीय पहचान दिलाने में अहम योगदान है। (CG PSC 2013)
- ◆ यह पंडवानी की कपालिक शैली से संबंधित है।
- ◆ भारत सरकार द्वारा इन्हें पद्मश्री (1999) व पद्म भूषण (2002) में प्रदान किया गया है। (CG Vyapam 2013)

○ झाड़ूराम देवांगन

- ◆ यह छ.ग. में पंडवानी के गुरु कहे जाते हैं।

○ मंजुला दास गुप्ता - छ.ग. की लता कही जाती है।

○ लक्ष्मण मस्तुरिया - छ.ग. की गीतकार

(CG PSC (ACF) 2016]

- ◆ चंदैनी गोंदा व मोर संग चलय रे के गीत से प्रसिद्धी
- ◆ छत्तीसगढ़ी निबंध - माटी कहे कुम्हार से

○ पं. कार्तिक राम - रायगढ़ घराना के कथक नर्तक

(CG PSC (ACF) 2016]

○ अमृत लाल दुबे (बिलासपुर) -

- ◆ तुलसी के बिरवा जगाय नामक कृति पर मध्यप्रदेश शासन का प्रथम इसुरी पुरस्कार प्राप्त

○ ममता चन्द्रकार (वर्ष 2015 में पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया), अलका चन्द्रकार - लोकगीत गायिका

○ बरसाती भैया - केसरी प्रसाद बाजपेयी

- ◆ आकाशवाणी के उद्घोषक हैं।

○ फिदाबाई मरकाम (राजनांदगांव) - लोक कलाकार, अदिवासी लोक कलाकार के क्षेत्र में तुलसी सम्मान (म.प्र.) दिया गया है।

- ◆ हबीब तनवीर व दाऊ मंदरा जी के मंचन में अभिनय।

० रितु वर्मा — रूवावांघा, गिलाई (दुर्ग), पण्डवानी की कापालिक शैली की गायिका

० मुरली चन्द्राकर (अर्जुन्दा दुर्ग)

- ♦ पुष्पांजली कैसेट (यम्बई में रिकॉर्ड)
- ♦ जिनगी के नई हे ठिकाना व पैरी पैरी ला गीत के रचयिता एवं प्रशिद्धी

० रवान यादव

- ♦ जन्म — दुर्ग
- ♦ लोककला में प्रमुख योगदान

० भैयालाल हेडऊ

- ♦ जन्म — राजनांदगाँव।
- ♦ छ.ग. का प्रसिद्ध गायक व अभिनेता।

० बद्री विशाल परमानंद (मंदिर हसौद)

- ♦ का तैं मोला मोहनी डार दिये व गोंदाफूल गीत के रचयिता एवं प्रशिद्धी

### जनजाति चित्रकार

1. जयदेव बघेल — जनजाति चित्रकार

### फिल्मी हस्तियां

1. सुलक्षणा पंडित, विजेता पंडित — रायगढ़

- ♦ हिन्दी फिल्म की नायिका हैं।

2. नत्थु दादा रामटेके — विलासपुर

- ♦ शराबी फिल्म में नत्थु दादा की भूमिका अदा की

3. स्व. डॉ. शंकर शेष — विलासपुर

रचना — भुईया, घरौंदा, (छ.ग.)

- ♦ दुनिया (हिन्दी फिल्म)
- ♦ दुनिया नेशनल अवार्ड मिला है।

4. अशोक मिश्र — रायपुर निर्देशक, पटकथा लेखक

- ♦ भारत की खोज, सुरभि के पटकथा लेखक

5. प्रेम साइमन — छत्तीसगढ़ी फिल्म निर्माता — मया देदे मया लेले, परदेशी के मया

नाटक — लोरिक चंदा



### संगीतकार

- |                                    |                             |
|------------------------------------|-----------------------------|
| 1. राजा चक्रधर                     | - तबला (कत्थक नृत्य) रायगढ़ |
| 2. ठाकुर लक्ष्मण सिंह शेखावत       | - सितार व संतूर, रायगढ़     |
| 3. बुद्धादित्य व विमलेन्दु मुखर्जी | - सितार वादक, भिलाई         |
| 4. श्रीधर                          | - ख्याल गायन, बिलासपुर      |
| 5. विष्णु जोशी                     | - ख्याल गायन, रायपुर        |
| 6. अरुणा कुमार सेन                 | - ख्याल गायन                |
| 7. भैरो प्रसाद श्रीवास्तव          | - ध्रुपद गायन, रायपुर       |
| 8. वत्सला पामकर                    | - तुमरी गायन                |
| 9. महेन्द्र प्रसाद सिंह            | - तबला वादक, बिलासपुर       |
| 10. अजगर प्रसाद                    | - आख्तरंग वादक, दुर्ग       |
| 11. बंसत रानोड                     | - बेला वादक, राजनांदगांव    |

### राजनीतिक / प्रशासनिक व्यक्तित्व

- |                          |   |
|--------------------------|---|
| 1. पं. रविशंकर शुक्ल     | - मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री (01.11.1956-31.12.1956)                                     |
| 2. द्वारिका प्रसाद मिश्र | - मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री (63-67, 67-67) (मूलतः जबलपुर से परन्तु कसडोल से उप चुनाव लड़ा था) |
| 3. मोतीलाल बोरा          | - मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री 2 बार बने (25.01.1989-09.12.1989)                                 |
| 4. श्यामाचरण शुक्ल       | - मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री 3 बार बने - (69-72, 75 - 77, 89-90)                              |
| 5. राजा नरेश चन्द्र सिंह | - सारंगढ़ से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने 13 दिन के लिए (13.03.1969 - 25.03.1969)            |

### केन्द्रीय मंत्री मण्डल में शामिल सदस्य

- |                    |                        |
|--------------------|------------------------|
| 1. विद्याचरण शुक्ल | 2. पुरुषोत्तमदास कौशिक |
| 3. अरविंद नेताम    | 4. डॉ. रमन सिंह        |
| 5. रमेश बैस        | 6. दिलीप सिंह जुदेव    |
| 7. चरणदास महंत     | 8. विष्णुदेव साय       |

### ठाकुर रामप्रसाद पोटाई - कांग्रेस

1. संविधान सभा के सदस्य
2. छ.ग. में भू-दान आंदोलन का नेतृत्व किये

### स्व. मथुरा प्रसाद दुबे - विधान पुरुष कहे जाते हैं।

### शरद चन्द्र बेहार - सारंगढ़ मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव

### पदमश्री डॉ. प्रदीप चौबे - गंगाराम अस्पताल दिल्ली के सर्जन ♦ सर्जरी में लिम्फा ब्रुक रिकार्डधारी

### डॉ. शंकर तिवारी - भुगोलवेत्ता ♦ 1951 में कटुम्बसर गुफा की खोज किये

**अजित प्रमोद कुमार जोगी** - छ.ग. के प्रथम मुख्यमंत्री बने

- ♦ भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए चयनित हुए
- रचना - फुल कुंवर, सदी के मोड़ पर 'द रोल ऑफ डिस्ट्रीक्ट कलेक्टर'

**राजा रामानुज प्रताप सिंह देव** - जन्म - कोरिया

- ♦ राज्य में पंचायती राज की व्यवस्था की
- ♦ लंदन का गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया
- ♦ क्रिकेट के खेल में निपुण (सी.के.नायडू के संग खेला)

**सुरेन्द्र साय** - 1857 की क्रांति में सम्बलपुर से नेतृत्व

- ♦ प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन के अन्तिम शहीद
- ♦ कैप्टन ली ने कई बार धोखे से गिरफ्तार किया।
- ♦ 28 फरवरी 1884 को असिरगढ़ के किले में मृत्यु

**मुंशी अब्दुल रउफ (नकुल)** - रायपुर - 1910 नागपुर अधिवेशन में हिस्सा

- ♦ 1921 जिला खिलाफत कमेटी में मंत्री
- ♦ स्वतंत्रता आंदोलन के समय पांच पाण्डव में से एक
- ♦ सभी स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा

**पं. रत्नाकर झा** - खैरागढ़

- ♦ 1920 असहयोग आंदोलन में वकालत का त्याग - 1922 दुर्ग आकर रहने लगे व 1929 में दुर्ग नगरपालिका के अध्यक्ष चुने गये
- ♦ सबसे लम्बे समय तक मध्यप्रदेश में नगरपालिका अध्यक्ष रहे
- ♦ स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय

**क्रांति कुमार भारती** -

- ♦ रायपुर में परस राम सोनी के साथ सक्रिय क्रांतिकारी
- ♦ रायपुर से 'छ.ग. केसरी' व बिलासपुर से कर्म क्षेत्र का प्रकाशन
- ♦ बिलासपुर के क्रांतिकारी अधिवेशन में 'मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी' के अध्यक्ष चुने गये।

**डॉ. राधाबाई**

- ♦ जन्म - नागपुर
- ♦ 1918 में रायपुर नगरपालिका में दाई का कार्य
- ♦ 1930 - 42 तक सत्याग्रह में भागीदारी

31

## कृषि

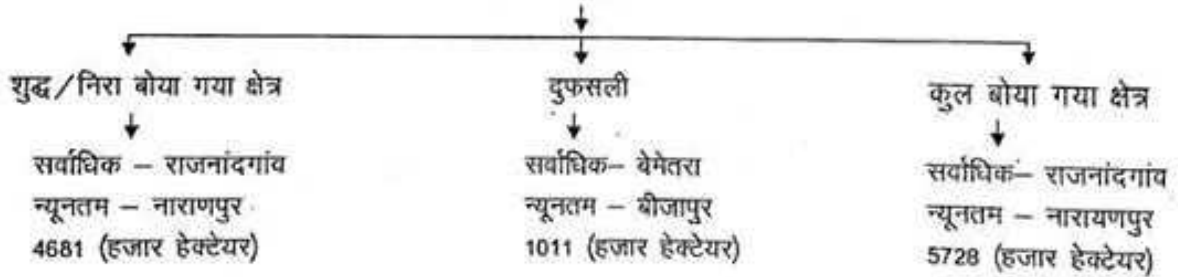
- ♦ राज्य में 80% जनसंख्या कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग धंधों पर आश्रित है।
  - ♦ प्रदेश की 37.46 लाख कृषक परिवारों में से 76% लघु एवं सीमांत कृषि श्रेणी में आते हैं। वर्तमान में प्रदेश 46,71,469 हेक्टेयर में कृषि हेतु उपलब्ध है।
- कुल छ.ग. क्षेत्रफल = 1,37,89,836 हेक्टेयर में। (जबकि 135,192 वर्ग किमी क्षेत्रफल)

(1)

	कुल बोया गया क्षेत्र	द्विफसली क्षेत्र
1. सर्वाधिक	राजनांदगांव	बेमेतरा
2. न्यूनतम	नारायणपुर	बीजापुर

- (2) द्विफसली क्षेत्र -
1. सर्वाधिक - बेमेतरा
  2. न्यूनतम - बीजापुर

## ० छत्तीसगढ़ में कृषि स्थिति



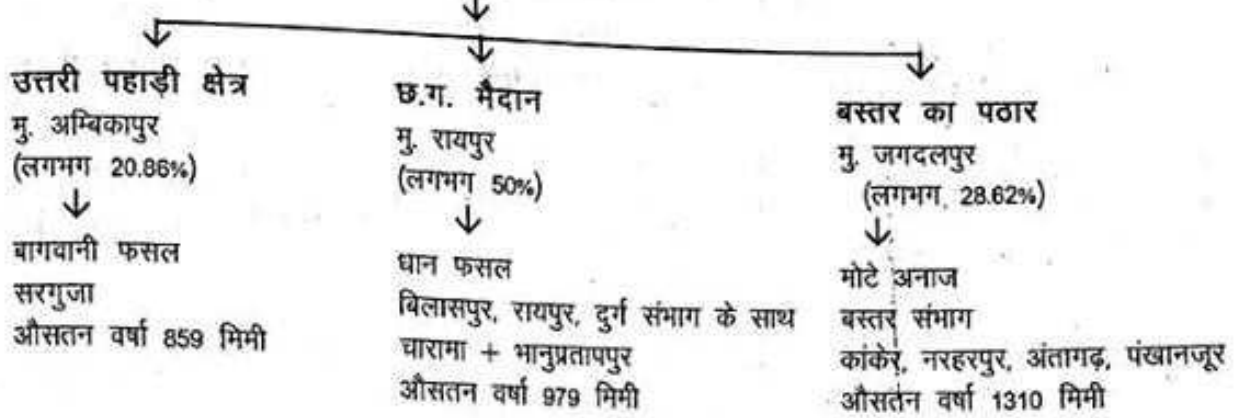
## ० सामान्य तथ्य :-

- ♦ राजनांदगांव मंडी में प्रथम किसान शॉपिंग मॉल एवं द्वितीय महासमुंद में बनाये जायेंगे।
- ♦ सर्वाधिक धान की प्रजाति विकसित करने वाला वैज्ञानिक- **Dr. H.R.Richhariya**
- ♦ कोसा अनुसंधान केन्द्र - बस्तर
- ♦ टमाटर राजधानी - लुङ्गे (जशपुर)
- ♦ टोमेटो रिसर्च सेन्टर - मैनपाट
- ♦ कोसा संबंधित जिला - रायगढ़, जांजगीर-चांपा (चांपा), बस्तर, बिलासपुर
- ♦ कृषि अनुसंधान केन्द्र - रायपुर
- ♦ काजू अनुसंधान केन्द्र - बस्तर
- ♦ चावल अनुसंधान केन्द्र - लामांडी (रायपुर)

[CG PSC (Pre) 2015]

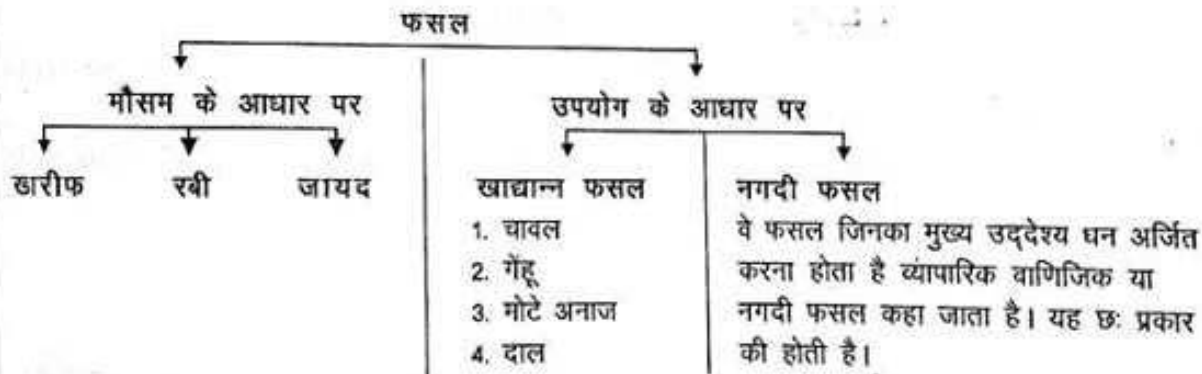


### ० कृषि जलवायु प्रदेश



- कांकेर को कृषि जलवायु की विशेषता के आधार पर छ.ग. के मैदान में लिया जाता है।
- कृषि विज्ञान केंद्र की संख्या - 20 है।

### भारत में कृषि वर्गीकरण (वित्तीय वर्ष - 1 जुलाई - 30 जून)



### कृषि कर्मण पुरस्कार

सन्	क्षेत्र
1. 2010-11	धान हेतु
2. 2012-13	धान हेतु
3. 2013-14	धान हेतु
4. 2014-15	दलहन हेतु

## कृषि

### जलवायु के आधार पर वर्गीकरण

खरीफ फसल खाद्यान्न दलहन तिलहन	रबी फसल खाद्यान्न दलहन तिलहन	जायद फसल
<ul style="list-style-type: none"> <li>अवाधि - 15 जून से 15 अक्टूबर</li> <li>यह फसल वर्षा के प्रारंभ में बोकर शीत ऋतु में काट ली जाती है।</li> <li>इस फसल का उत्पादन पूर्णतः वर्षा पर निर्भर होती है, और सर्वाधिक जल की आवश्यकता होती है।</li> <li>खरीफ फसल के तहत 75 प्रतिशत भाग पर धान की खेती की जाती है</li> <li>राज्य में इस फसल के तहत 48.04 लाख हेक्टेयर फसल बोई जाती है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>15 अक्टूबर से 15 फरवरी</li> <li>यह फसल शीत ऋतु के प्रारंभ में बोयी जाती है तथा ग्रीष्म ऋतु के प्रारंभ में काट ली जाती है।</li> <li>यह फसल पूर्णतः सिंचाई साधन पर निर्भर होते हैं, किन्तु पानी की आवश्यकता कम होती है।</li> <li>छ.ग. में रबी के तहत धान कम ली जाती है।</li> <li>इसमें रबी फसलों के तहत 16.94 लाख हेक्टेयर बोया जाता है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>15 फरवरी से 15 जून</li> <li>यह फसल ग्रीष्म ऋतु के प्रारंभ में बोकर वर्षा ऋतु के प्रारंभ में काट ली जाती है।</li> <li>इस फसलों में सिंचाई की अति आवश्यकता होती है।</li> </ul>

### प्रदेश के प्रमुख फसल

- अनाज - धान, गेहूँ, कोदो, कुटकी, (मक्का प्रदेश का द्वितीय प्रमुख फसल)
  - तिलहन - सोयाबीन, तिल, मूँगफली, रामतिल, राई, सरसों, अलसी
  - दलहन - चना, मटर, तिवड़ा, अरहर, उड़द एवं मूँग आदि
  - मसाले - मिर्ची, लहसुन, धनिया, अदरक आदि
- [CG PSC (ACF) 2016]
- नोट:- छ.ग में सर्वाधिक मूँगफली रायगढ़ जिले में होता है। [CG PSC (SSE) 2016], [CG Vyapam (CROS) 2016]

### प्रजातियाँ

खाद्यान्न फसल		दलहन फसल		तिलहन फसल		वाणिज्यिक	
खरीफ	रबी	खरीफ	रबी	खरीफ	रबी	खरीफ	रबी
धान ज्वार बाजरा, कोदो कुटकी, रागी, मक्का	गेहूँ, जौ	उड़द, मूँग, अरहर खेसरी	चना, मटर, उड़द, तिवड़ा	तिल, रामतिल, सोयाबीन, मूँगफली काकड़ी	सरसों, तोरिया सूरजमुखी अलसी	जूट, कपास गन्ना	तरबूज, खरबूज,

### खरीफ फसल

खाद्यान्न फसल	दलहन फसल	तिलहन फसल	वाणिज्यिक फसल
धान, ज्वार, बाजरा कोदो, कुटकी, मक्का रागी	मूँग उड़द, अरहर	सोयाबीन, तिल, मूँगफली	रामतिल कपास, जूट, गन्ना

खाद्यान्न	दलहन	रबी फसल	
		तिलहन फसल	वाणिज्यिक
गेहूँ, जौ	चना, मटर तिवड़ा, लाखड़ी	सरसों, तोरिया, सूरजमुखी अलसी	तरबूज, खरबूज काकड़ी

## समर्थन मूल्य

विभिन्न फसलों के समर्थन मूल्य (रूपये प्रति क्विंटल)

क्र.	फसल	2013-14	2013-14 की तुलना में 2014-15 में वृद्धि	2014-15	2015-16	2016-17
1.	अ. खरीफ धान (सामान्य)	1310	50	1360	1410	<ul style="list-style-type: none"> <li>पिछले साल की तरह इस वर्ष भी धान की खरीदी 15 नवम्बर से शुरू करने का निर्णय लिया गया।</li> </ul>
2.	धान (ग्रेड ए)	1345	55	1400	1450	<ul style="list-style-type: none"> <li>धान खरीदी 31 जनवरी 2017 तक चलेगी।</li> </ul>
3.	ज्वार	1500	30		1570	<ul style="list-style-type: none"> <li>इस दौरान 15 नवम्बर से 31 मई 2017 तक समर्थन मूल्य पर मक्के की खरीदी होगी।</li> </ul>
4.	मक्का	1310	—	1310	1325	<ul style="list-style-type: none"> <li>चालू खरीफ विपणन वर्ष 2016-17 के लिए धान का समर्थन मूल्य, कॉमन धान के लिए 1470 रूपए निर्धारित किया गया है।</li> </ul>
5.	मूँगफली	4000	—	4000	4030	<ul style="list-style-type: none"> <li>ए-ग्रेड धान के लिए समर्थन मूल्य 1510 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।</li> </ul>
6.	सोयाबीन काला	2500	—	2500		<ul style="list-style-type: none"> <li>मक्के का समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल 1365 रूपए होगा।</li> </ul>
7.	ब. रबी गेहूँ	1400	50	1450	1450	<ul style="list-style-type: none"> <li>धान खरीदी की अधिकतम सीमा 15 क्विंटल प्रति एकड़ लिंकिंग सहित होगी।</li> </ul>
8.	चना	3100	75			

स्रोत:- कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।



### कृषि विपणन

- ◆ छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) केन्द्र - रायपुर
- ◆ उत्पादित फसलों का भंडारण - राज्य भंडार गृह निगम रायपुर
- ◆ छ.ग. में धान खरीदी - छ.ग. राज्य सरकारी विपणन संघ (मार्कफेड) द्वारा
- ◆ छ.ग. में मक्का खरीदी - छ.ग. राज्य नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा
- ◆ वर्ष 2016-17 के दौरान छ.ग. में 69 मंडी तथा 118 उपमंडी कार्यरत है।
- ◆ कृषि उत्पाद, बीज तथा खाद के भंडारण का प्रबंध राज्य भंडार गृह निगम

(स्रोत:- आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17, पेज क्र. - 90)

### प्रमुख फसलों का उत्पादन क्रम (हजार मी.टन में)

	2003-04	2014-15	2015-16
<b>1. अनाज</b>			
धान	5567.6	11966.62	7731.6
मक्का	135.0	235.1	237.74
गेहूँ	108.6	153.3	142.33
कोदो कुटकी	50.9	20.7	12.3
ज्वार	7.6	4.2	4.36
जौ	4.3	2.7	0.67
<b>2. दालें</b>			
चना	197.3	311.2	218.8
तिवड़ा (लाख)	278.8	297.9	172.4
उड़द	35.1	30.1	20.91
तुअर	31.5	35.1	30.6
कुल्थी	18.4	14.3	15.09
मूंग मोठ	4.8	4.2	6.56
<b>3. गन्ना</b>	13.7	76.1	46.9
<b>4. तिलहन</b>			
सोयाबीन	18.4	50.1	40.12
मूंगफली	40.2	40.8	37.25
राई सरसो	22.8	24.6	25.96
अलसी	23.1	11.2	9.45
रामतिल	13.1	11.2	10.24
तिल	7.1	8.0	7.6

[CG PSC (ARTO) 2017]

[CG PSC (ARTO) 2017]

स्रोत:- आयुक्त भू अभिलेख छत्तीसगढ़ (आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17, पेज क्र. 112 में)

**प्रमुख फसलों का औसत उत्पादन**  
(किलोग्राम प्रति हेक्टेयर) स्रोत - आयुक्त भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त छत्तीसगढ़)

वर्ष	चावल	गेहूँ	ज्वार	मक्का	चना	तुवार	सोयाबीन	कपास	गन्ना
2013 - 2014	2672	1341	635	2059	765	557	1038	143	996
2014 - 2015	2965	1486	840	1879	1061	635	487	-	2615
2015 - 2016	1953	1345	805	1881	779	470	488	326	2440

**फसलों की शीर्ष उत्पादक जिला**

क्र.	प्रमुख फसल	सर्वाधिक उत्पादक जिला	द्वितीय उत्पादक जिला	तृतीय उत्पादक जिला
1.	धान	जांजगीर-चांपा	महासमुंद	बिलासपुर
2.	गेहूँ	बलरामपुर	राजनांदगांव	बिलासपुर
3.	मक्का	बलरामपुर	राजनांदगांव	कांकेर
4.	तुअर	बलरामपुर	जशपुर, सरगुजा	सरगुजा
5.	सरसों	बलरामपुर	सरगुजा, जशपुर	जशपुर
6.	अलसी	बलरामपुर	राजनांदगांव	बालोद
7.	चना	बेमेतरा	दुर्ग	राजनांदगांव
8.	सूर्यमुखी	बेमेतरा	बालोद	राजनांदगांव
9.	कपास	बेमेतरा	दुर्ग	राजनांदगांव
10.	उड़द	जशपुर	रायगढ़	कोण्डागांव
11.	रामतिल	जशपुर	बलरामपुर	बस्तर
12.	चाय	जशपुर	(चित्की घाटी-कवधा)	-
13.	मूंगफली	रायगढ़	महासमुंद	जशपुर
14.	तिल	रायगढ़	बलरामपुर	सूरजपुर
15.	गन्ना	कबीरधाम	सूरजपुर	सरगुजा
16.	सोयाबीन	कबीरधाम	बेमेतरा	राजनांदगांव
17.	कोदो-कुटकी	दंतेवाड़ा	कांकेर	राजनांदगांव
18.	मटर	बलौदाबाजार	सूरजपुर	-
19.	कुल्थी	कांकेर	कोरबा	कोण्डागांव
20.	तिबड़ा	मुंगेली	बिलासपुर	बालोद
21.	चाय	जशपुर	चित्की घाटी	-
22.	टमाटर	जशपुर (लुडेग)	-	-
कुल खरीफ फसल		जांजगीर	महासमुंद	बिलासपुर
कुल रबी फसल		बेमेतरा	राजनांदगांव	मुंगेली

स्रोत:-आर्थिक समीक्षा - 2015-16)

राज्य की प्रमुख फसलें	सर्वाधिक उत्पादक
1. मुख्य खाद्यान्न फसल	चावल
2. मुख्य दलहन फसल	चना
3. मुख्य तिलहन फसल	सोयाबीन

[CG PSC (ARTO) 2017], [CG PSC (PRE.) 2016]  
[CG PSC (ARTO) 2017]

फसलों कुल क्षेत्रफल (लाख हेक्टेयर)	
1. खाद्यान्न/अनाज	— 43.95
2. दलहन	— 8.53
3. तिलहन	— 2.91
4. उद्यानिकी	— 7.70

फसलों उत्पादन (लाख मेट्रिक टन)	
1. खाद्यान्न	— 84.03
2. दलहन	— 7.05
3. तिलहन	— 1.47
4. गन्ना	— 0.76

### कृषि संगणना (2010-11)

(कुल भूमिजोत — 37, 46 लाख एवं क्षेत्रफल — 50.84 लाख हेक्टेयर परिवार)

वृद्ध जोत	लघुजोत	सीमांत जोत
28 हजार परिवार	8.31 लाख परिवार	21.82 लाख परिवार
4.51 लाख हेक्टेयर	11.79 लाख हेक्टेयर	9.53 लाख हेक्टेयर

(नोट :- छ.ग. में औसत कृषि जोत आकार — 1.36 हेक्टेयर)